न बिल्डिंग है, न ही ट्रेनिंग की सुविधा; तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा-

कई खामियां, बंद होंगे 103 आईटीआई

एजुकेशन रिपोर्टर | भोपाल

प्रदेश में संचालित 103 प्राइवेट आईटीआई बंद होंगे। तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग द्वारा कराई गई जांच में इन आईटीआई में कमियां मिली हैं। तय मापदंड के अनुसार इन आईटीआई की न तो बिल्डिंग है और ना ही लैब व स्टाफ। विभाग ने इन आईटीआई को डिफाल्टर घोषित कर आगामी सत्र से इन्हें बंद करने का निर्णय लिया है।

यह जानकारी तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री दीपक जोशी ने बुधवार को मीडिया से चर्चा में दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 500 ट्रेनिंग ऑफिसर की भर्ती की जाएगी और हर साल 2.50 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। वहीं 20 ऐसे सेक्टर चिह्नित किए गए हैं जिनमें कुशल कर्मचारियों की जरूरत है। आईटीआई के छात्रों को ट्रेनिंग दिलाने का भी प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

मंत्री के अनुसार पिछले साल निजी क्षेत्र की आईटीआई के खिलाफ शिकायतें मिली थीं। इनकी जांच में 103 आईटीआई में कमियां मिली हैं। इन सभी को बंद करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि आगामी 11 मई को गोविंदपुरा स्थिति मॉडल आईटीआई में होने वाले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कौशल संवर्धन योजना व कौशल्या योजना की घोषणा की जाएगी।

मुख्यमंत्री कौशल्या योजना 15 साल से अधिक की युवतियों के लिए शुरू की जा रही है। इसके तहत 15 दिन से लेकर 9 महीने तक के कोर्स शुरू किए जाएंगे। इसके अंतर्गत हर साल दो लाख महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए विभाग एक पोर्टल भी लॉन्च करने जा रहा है।

प्रेरित करने वाली जीवनियां पढ़ाई जाएं स्कूलों में

स्कूलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की जीवनी पढ़ाए जाने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में जोशी ने कहा कि स्कूली पाठ्यक्रमों में बच्चों को ऐसे शख्सियतों की जीवनियां पढ़ाई जा सकती हैं जो उन्हें प्रेरित कर सकें। जोशी का कहना है कि, मैं बचपन से ही शिवराज सिंह चौहान को जानता हूं। उनका पूरा जीवन संघर्षों भरा व प्रेरणा देने वाला है। इस तरह की शख्सियत वाले लोगों की जीवनियां अगर स्कूलों में बच्चों को पढ़ाई जाती हैं तो इससे उन्हें प्रेरणा मिलेगी।